RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
दिसंबर
02
2024

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors
13. Index

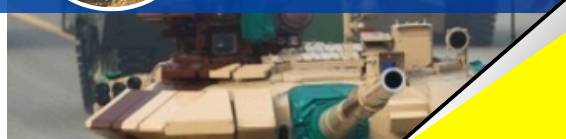

By Ankit Avasthi Sir

बीमा क्षेत्र में 100% एफडीआई का प्रस्ताव / 100% FDI proposed in insurance sector

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने एक परामर्श पत्र जारी किया, जिसमें बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) की सीमा को 74% से बढ़ाकर 100% करने का प्रस्ताव दिया गया। इससे पहले, फरवरी 2021 में इस सीमा को 49% से बढ़ाकर 74% किया गया था।

बीमा कानूनों में संशोधन:

1. **उद्देश्य:**
   - नागरिकों के लिए बीमा की उपलब्धता और किफायती दरों को सुनिश्चित करना।
   - बीमा उद्योग के विस्तार और विकास को प्रोत्साहित करना।
   - व्यापार प्रक्रियाओं को सरल और सुगम बनाना।
2. **नेट ओनड फंड्स में बदलाव:**
   - विदेशी पुनर्बीमाकर्ताओं के लिए नेट ओनड फंड्स को 5,000 करोड़ रुपये से घटाकर 1,000 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव।
3. **आईआरडीएआई की शक्तियों का विस्तार:**
   - आईआरडीएआई को विशेष मामलों में underserved या unserved क्षेत्रों के लिए न्यूनतम 50 करोड़ रुपये पूंजी के साथ कम प्रवेश पूंजी निर्धारित करने का अधिकार मिलेगा।
4. **बीमा एजेंटों के लिए खुली संरचना:**
   - बीमा एजेंटों को एक से अधिक जीवन, सामान्य और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के साथ समझौता करने की अनुमति मिलेगी।
   - वर्तमान में, बीमा एजेंटों को केवल एक जीवन, सामान्य और स्वास्थ्य बीमा कंपनी के साथ समझौता करने की अनुमति है।

कानूनों में संशोधन की आवश्यकता:

1. **पूंजी की आवश्यकता**: बीमा उद्योग में हर साल लगभग ₹50,000 करोड़ की पूंजी लगाना जरूरी है ताकि देश में बीमा पैठ दोगुनी की जा सके।
2. **बीमा पैठ का महत्व**: बीमा पैठ का अर्थ है बीमा प्रीमियम का GDP के अनुपात में मापन।
3. **बीमा कवरेज का विस्तार**: बीमा कवरेज बढ़ाकर भारत हर साल लगभग 10 बिलियन डॉलर की बचत कर सकता है।
4. **असुरक्षित आबादी**: बड़ी संख्या में भारतीय अभी भी बीमा से वंचित हैं, जिससे उच्च चिकित्सा खर्च जैसे जोखिम बने रहते हैं।
5. **आईआरडीए का लक्ष्य**: '2047 तक सभी के लिए बीमा' मिशन के तहत, आईआरडीए बीमा उद्योग की चुनौतियों को हल करने के लिए आक्रामक योजनाओं पर काम कर रहा है।

भारत में बीमा क्षेत्र: एक दृष्टि

1. **विश्व में स्थान:**
   - भारत उभरते हुए बीमा बाजारों में दुनिया में पाँचवें स्थान पर है।
   - यह क्षेत्र हर साल 32-34% की दर से तेज़ी से बढ़ रहा है।
2. **बीमा पैठ (Insurance Penetration):**
   - **कुल पैठ:**
     - 2021-22: 4.2%
     - 2022-23: घटकर 4%
   - **जीवन बीमा:**
     - 2021-22: 3.2%
     - 2022-23: घटकर 3%
   - **गैर-जीवन बीमा:**
     - 2021-22 और 2022-23: 1% (कोई बदलाव नहीं)।
3. **बीमा कंपनियों की संख्या:**
   - **जीवन बीमा कंपनियाँ**: 25
   - **सामान्य बीमा कंपनियाँ**: 34
4. **पब्लिक सेक्टर बीमा कंपनियाँ:**
   - जीवन बीमा क्षेत्र में भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) एकमात्र सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी है।
5. **पुनर्बीमा क्षेत्र:**
   - भारत में पुनर्बीमा के लिए केवल एक राष्ट्रीय कंपनी है:
     - जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (GIC Re)।

भारतीय पर्यटन क्षेत्र का उभरता विकास / Rise of Indian Tourism Sector

हाल ही में केंद्र सरकार ने 23 राज्यों में 40 पर्यटन परियोजनाओं के विकास के लिए 3,295 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

पर्यटन विकास के लिए विशेष सहायता योजना के प्रमुख बिंदु-

1. **ब्याजमुक्त दीर्घकालिक ऋण**:
   - वित्त मंत्रालय ने पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता (SASCI) योजना के तहत ब्याजमुक्त ऋण मंजूरी दी है।
   - यह ऋण 50 वर्षों में चुकाया जाएगा।
2. **उद्देश्य**:
   - विश्वस्तरीय पर्यटन स्थलों का विकास।
   - वैश्विक ब्रांडिंग को बढ़ावा देना।
   - स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन और रोजगार सृजन।
3. **कम प्रसिद्ध स्थलों का विकास**:
   - उत्तर प्रदेश का बटेश्वर, गोवा का पोंडा, आंध्र प्रदेश का गांडीकोटा, और गुजरात का पोरबंदर जैसे कम प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों का विकास।
4. **नए परियोजनाओं की पहचान**:
   - 23 राज्यों में 40 नई पर्यटन परियोजनाओं का चयन किया गया है।

योजना की संरचना:

यह योजना प्रमुख विकास क्षेत्रों पर केंद्रित है, जिनमें शामिल हैं:

- **वाहन स्क्रैपिंग प्रोत्साहन**
- **शहरी नियोजन सुधार**
- **पुलिस कर्मियों के लिए आवास**
- **राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए यूनिटी मॉल परियोजनाएं**

इसके अलावा, यह पंचायती और वार्ड स्तर पर डिजिटल सुविधाओं से युक्त पुस्तकालयों की स्थापना का समर्थन करती है, जिससे शैक्षणिक पहुंच में सुधार हो सके।

योजना के उद्देश्य:

- **आर्थिक विकास**: मांग को बढ़ावा देकर और रोजगार सृजन कर अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करना।
- **प्रमुख परियोजनाओं में तेजी**: जल जीवन मिशन और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी योजनाओं को राज्य की वित्तीय सहायता से तेज करना।
- **शहरी सुधार**: शहरी नियोजन और वित्तीय सुधारों को प्रोत्साहित करना ताकि शहरों में जीवन स्तर और शासन की गुणवत्ता को बेहतर बनाया जा सके।

भारत में पर्यटन क्षेत्र की प्रगति-

पर्यटन क्षेत्र की उपलब्धियां:

- **भारत की विशेषता:** भारत, प्राचीन सभ्यता और सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक, वैश्विक पर्यटन का पसंदीदा केंद्र बन रहा है।
- **रोजगार:** 2022-23 में पर्यटन क्षेत्र में 76.17 मिलियन नौकरियां सृजित हुईं, जो 2021-22 में 70.04 मिलियन थीं।
- **वैश्विक रैंकिंग:** यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक 2024 (TTDI) में भारत 119 देशों में 39वें स्थान पर।

महत्वपूर्ण आँकड़े:

- **विदेशी पर्यटक आगमन (FTAs):** 2023 में 9.24 मिलियन, 2022 की तुलना में 43.5% वृद्धि।
- **विदेशी मुद्रा आय (FEEs):** ₹2.3 लाख करोड़, 65% वृद्धि।
- **घरेलू पर्यटन यात्रा (DTVs):** 2023 में 2,509.63 मिलियन, 2022 में 1,731.01 मिलियन।

सरकार की पहल:

- **बजट:** FY25 में ₹2,479 करोड़ आवंटित।
- **इन्फ्रास्ट्रक्चर निवेश:** ₹7,000 करोड़ निवेश।
- **योजनाएं:** देखो अपना देश, PRASHAD, स्वदेश 2.0, उड़ान, वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम।
- **नई पहल:**
  - साहसिक और विशेष पर्यटन का प्रोत्साहन।
  - ई-वीजा की सुविधा।
  - पर्यटकों के लिए 24x7 बहुभाषी हेल्पलाइन।
  - पर्यटन दीदी और पर्यटन मित्र कार्यक्रम।

मनरेगा जॉब कार्डों का विलोपन / Deletion of Workers from MGNREGA Job Cards

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA) के तहत श्रमिकों के जॉब कार्ड से हाल ही में हुई बड़ी संख्या में कटौती ने काम के अधिकार और कार्यान्वयन में पारदर्शिता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

- सिर्फ 2022-23 में ही 5.53 करोड़ से अधिक श्रमिकों को हटाया गया, जो 2021-22 के मुकाबले 247% की बढ़ोतरी दर्शाता है।

MGNREGA के तहत श्रमिकों के नाम हटाने के कानूनी नियम:

MGNREGA अधिनियम के अनुसूची II, अनुच्छेद 23 के अनुसार, कुछ परिस्थितियों में श्रमिक का नाम नौकरी कार्ड से हटाया जा सकता है, जैसे कि:

- पंजीकरण के दौरान गलत जानकारी दी हो।
- परिवार स्थायी रूप से स्थानांतरित हो गया हो।
- नौकरी कार्ड डुप्लिकेट रिकॉर्ड या फर्जी दस्तावेज़ के कारण दिया गया हो।
- यदि नाम हटाने की प्रक्रिया हो रही हो, तो श्रमिक को स्वतंत्र व्यक्तियों के सामने अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाना चाहिए।
- सभी हटाए गए नामों को रिकॉर्ड करना चाहिए और ग्राम सभा (गांव की पंचायत) को सूचित करना चाहिए, साथ ही MGNREGA प्रबंधन सूचना प्रणाली (MIS) में अपडेट करना चाहिए।

MGNREGA जॉब कार्ड हटाने के प्रभाव:

1. **रोजगार का अधिकार उल्लंघन:** "काम करने की इच्छा नहीं" के आधार पर श्रमिकों के नाम हटाना उनके कानूनी रोजगार अधिकार का उल्लंघन है। कई श्रमिक जिन्होंने काम किया या काम की मांग की, उन्हें हटाया गया।
2. **अनियमित प्रक्रिया:** "गांव शहरी हो गया" के आधार पर कुछ श्रमिकों के जॉब कार्ड हटाना, जबकि कानून के मुताबिक शहरी क्षेत्र में सभी कार्ड हटने चाहिए, एक विरोधाभास है।
3. **Gram Sabha की मंजूरी की कमी:** अक्सर, ग्राम सभा की मंजूरी के बिना कार्ड हटाए जाते हैं, जो कानून का उल्लंघन है। कई श्रमिकों को बिना सूचना के गलत तरीके से हटाया जाता है।
4. **सत्यापन की कमी:** अधिकांश मामले बिना सत्यापन या कारणों के विश्लेषण के होते हैं। मंत्रालय ने इन कारणों की जांच नहीं की है, खासकर "काम करने की इच्छा नहीं" वाले मामलों में।
5. **आर्थिक प्रभाव:** "काम करने की इच्छा नहीं" जैसे कारणों से श्रमिकों का नाम हटाना, विशेष रूप से उच्च ग्रामीण बेरोजगारी दर के मद्देनजर, उनकी आजीविका के अवसरों को नष्ट करता है।
6. **डेटा से जुड़ी चिंताएँ:** डाटा में वृद्धि दिखाती है कि ABPS पर अधिक ध्यान केंद्रित होने से शायद ये हटाने की प्रक्रिया वास्तविक कारणों से ज्यादा अनुपालन के लिए की गई हो सकती है।

MGNREGA योजना क्या है?

परिचय: महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA) 2005 में पारित किया गया था। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार प्रदान करना और कानूनी गारंटी के तहत मजदूरी रोजगार सुनिश्चित करना है।

उद्देश्य: इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका सुरक्षा बढ़ाना है। यह योजना ग्रामीण घरों के वयस्क सदस्य को हर वित्तीय वर्ष में 100 दिन का रोजगार प्रदान करती है।

पात्रता:

- **लक्षित समूह:** यह योजना उन सभी ग्रामीण परिवारों के लिए है जिन्हें रोजगार की आवश्यकता है और जो अकुशल श्रमिक कार्य करने के इच्छुक हैं।
- **पंजीकरण:** आवेदक अपने आवेदन ग्राम पंचायत में जमा करते हैं। ग्राम पंचायत पंजीकरण के बाद रोजगार कार्ड जारी करती है, लेकिन इसके लिए सत्यापन आवश्यक है।
- **प्राथमिकता:** रोजगार की मांग करने वालों में से कम से कम एक तिहाई महिलाएं होनी चाहिए।

रोजगार की शर्तें:

- रोजगार कम से कम 14 दिन तक लगातार चलना चाहिए।
- सप्ताह में अधिकतम छह कार्यदिवस होने चाहिए।

रोजगार प्रावधान:

- **रोजगार समयसीमा:** ग्राम पंचायत या ब्लॉक कार्यक्रम अधिकारी को आवेदन के 15 दिनों के भीतर कार्य प्रदान करना चाहिए। कार्य, आवेदनकर्ता के गांव से 5 किलोमीटर के भीतर होना चाहिए।
- **परिवहन और जीवन यापन भत्ता:** यदि कार्य 5 किलोमीटर से अधिक दूरी पर है, तो अतिरिक्त 10% मजदूरी परिवहन और जीवन यापन खर्च के रूप में दी जाती है।
- **बेरोजगारी भत्ता:** यदि रोजगार 15 दिनों के भीतर नहीं मिलता है, तो बेरोजगारी भत्ता दिया जाता है। पहले 30 दिनों में मजदूरी दर का एक चौथाई और बाद के दिनों में आधी मजदूरी बेरोजगारी भत्ते के रूप में दी जाती है।

स्वीकृत कार्य:

- **जल और भूमि विकास:** संरक्षण और वर्षा जल संचयन।
- **वृक्षारोपण और सूखा प्रूफिंग:** वृक्षारोपण और सूखा प्रतिरोधी कार्य।
- **सिंचाई और कृषि आधारभूत संरचना:** नहरें, तालाब, और सिंचाई कार्य।
- **स्वच्छता और स्वच्छता:** शौचालय और कचरा प्रबंधन।

एशियाई विकास बैंक / Asian Development Bank

एशियाई विकास बैंक (ADB) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने जापान के मासातो कांडा को बैंक का 11वां अध्यक्ष चुना है। वे मौजूदा अध्यक्ष मासात्सुगु असाकावा का स्थान लेंगे, जो 23 फरवरी 2025 को पद छोड़ेंगे। मासातो कांडा 'मिस्टर येन' के नाम से प्रसिद्ध हैं।

एशियाई विकास बैंक (ADB) के अध्यक्ष पद से जुड़ी प्रमुख जानकारियां:

1. **नए अध्यक्ष का कार्यकाल**: मासातो कांडा 24 फरवरी 2025 को एशियाई विकास बैंक (ADB) के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करेंगे। ADB अध्यक्ष का कार्यकाल 5 वर्षों का होता है, और उन्हें पुन: चुने जाने की अनुमति है।
2. **अध्यक्ष चयन प्रक्रिया:**
   - ADB के अध्यक्ष का चुनाव बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा किया जाता है, जिसमें सदस्य देशों के वित्त मंत्री अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हैं।
   - भारत की ओर से केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं, जबकि अजय सेठ वैकल्पिक गवर्नर हैं।
   - अध्यक्ष चुने जाने के लिए बहुमत हासिल करना अनिवार्य है। प्रत्येक देश के वोट का मूल्य उसके ADB में इक्विटी शेयर के अनुपात में होता है।
3. **महत्वपूर्ण शेयरधारक और वोटिंग प्रक्रिया:**
   - जापान और अमेरिका ADB के सबसे बड़े शेयरधारक हैं, दोनों की इक्विटी हिस्सेदारी 15.6% है।
   - चीन 6.4% के साथ तीसरे और भारत 6.3% के साथ चौथे स्थान पर है।
   - जापान का वोट मूल्य 15.6% और भारत का 6.3% है।
4. **ADB अध्यक्ष का इतिहास:**
   - 1966 में ADB की स्थापना के बाद से ही परंपरागत रूप से एक जापानी व्यक्ति को अध्यक्ष पद पर चुना जाता रहा है।
   - यह स्थिति पश्चिमी देशों के बीच बनी आपसी समझ का परिणाम है।

इस प्रकार, मासातो कांडा 23 फरवरी 2026 तक ADB के अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं देंगे।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी): एक परिचय-

स्थापना और उद्देश्य: एशियाई विकास बैंक (ADB) की स्थापना 19 दिसंबर 1966 को की गई थी। यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए एक प्रमुख बहुपक्षीय विकास बैंक है।

इसका उद्देश्य एक समृद्ध, समावेशी, लचीले और टिकाऊ एशिया और प्रशांत क्षेत्र का निर्माण करना है, साथ ही इस क्षेत्र से अत्यधिक गरीबी को समाप्त करने के प्रयास करना है।

मुख्य कार्य

1. **वित्तीय सहायता:** विकासशील सदस्य देशों (DMCs), निजी क्षेत्र, और सार्वजनिक-निजी भागीदारी के लिए ऋण, अनुदान, तकनीकी सहायता, और इक्विटी निवेश प्रदान करना।
2. **विकास प्रभाव को बढ़ाना:** नीतिगत संवाद, परामर्श सेवाएं, और सह-वित्तपोषण परिचालनों के माध्यम से अतिरिक्त वित्तीय संसाधन जुटाना।
   - आधिकारिक, वाणिज्यिक, और निर्यात ऋण स्रोतों को प्रभावी ढंग से उपयोग करना।

मुख्यालय और सदस्यता:

- **मुख्यालय:** मनीला, फिलीपींस।
- **सदस्यता:**
  - स्थापना के समय 31 सदस्य थे, जो अब बढ़कर 68 हो गए हैं।
  - इनमें 49 सदस्य एशिया और प्रशांत क्षेत्र से हैं, जबकि 19 सदस्य क्षेत्र के बाहर के हैं।
  - सदस्यता संयुक्त राष्ट्र आर्थिक आयोग (UNESCAP) के सदस्य, सहयोगी सदस्य, और अन्य क्षेत्रीय व गैर-क्षेत्रीय विकसित देशों के लिए खुली है।

वित्तीय स्रोत:

1. अंतर्राष्ट्रीय बांड बाजारों से पूंजी जुटाना।
2. सदस्य देशों के योगदान।
3. ऋणों की पुनर्भुगतान आय।
4. उधार से अर्जित आय।

घरचोला: जीआई टैग / Gharchola: GI Tag

गुजरात की पारंपरिक सांस्कृतिक हस्तशिल्प विरासत **'घरचोला'** को भारत सरकार द्वारा **जीआई टैग (Geographical Indication Tag)** प्रदान किया गया है। यह गुजरात की कला और सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

घरचोला: गुजरात की सांस्कृतिक धरोहर

1. अर्थ और महत्व:

- 'घरचोला' का मतलब होता है **'घर पर पहना जाने वाला कपड़ा।'**
- इसमें 'घर' से तात्पर्य दुल्हन के नए घर से है, और 'चोला' वह वस्त्र है जिसे पहनकर दुल्हन नए घर में प्रवेश करती है।
- यह साड़ी गुजराती शादियों का एक अहम और पवित्र हिस्सा है।

2. निर्माण और डिज़ाइन:

- **सामग्री**: यह साड़ी मुख्यत: कॉटन या सिल्क से बनाई जाती है।
- **डिज़ाइन**:
  - इस पर जरी का बारीक काम किया जाता है।
  - मोर, कमल, और फूल-पत्तियों की आकृतियां उकेरी जाती हैं।
  - इसकी पहचान इसके ग्रिड पैटर्न से होती है।
- **उत्पत्ति**: घरचोला बनाने की शुरुआत गुजरात के खंभात जिले से हुई थी।

3. सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व:

- **शादियों में परंपरा**: यह साड़ी न केवल पारंपरिक परिधान है, बल्कि गुजराती संस्कृति और मान्यताओं का प्रतीक भी है।
- **स्थानीय कारीगरों का समर्थन**: जीआई-टैग मिलने से स्थानीय कारीगरों और बुनकरों को आर्थिक लाभ मिलता है।

घरचोला साड़ी सिर्फ एक परिधान नहीं, बल्कि गुजराती संस्कृति, परंपरा, और कला का प्रतीक है।

GI टैग से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें:

1. **भौगोलिक संकेतक (GI टैग):** यह टैग किसी क्षेत्र की विशिष्ट पहचान और गुणवत्ता वाले उत्पाद को मान्यता देने के लिए दिया जाता है।
2. **गुजरात के हैंडीक्राफ्ट सेक्टर में योगदान:** **'घरचोला'** के साथ, हैंडीक्राफ्ट सेक्टर में गुजरात को अब तक 23 जीआई टैग मिल चुके हैं।
3. **अन्य सेक्टर्स में स्थिति**: हैंडीक्राफ्ट के अलावा, अन्य सेक्टर्स में गुजरात को अब तक केवल 4 जीआई टैग मिले हैं।
4. **महत्व**: यह टैग उत्पाद की गुणवत्ता और प्रामाणिकता सुनिश्चित करता है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में उत्पाद को विशिष्ट पहचान प्रदान करता है।

GI टैग क्या है?

1. परिचय: GI (Geographical Indication) टैग एक ऐसा चिन्ह है जो किसी उत्पाद की विशेष भौगोलिक उत्पत्ति और उसकी विशिष्ट गुणवत्ता या प्रतिष्ठा को दर्शाता है। इसे बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) के रूप में मान्यता प्राप्त है।

2. कानूनी आधार:

- GI टैग को पेरिस कन्वेंशन और TRIPS समझौते के तहत बौद्धिक संपदा अधिकारों का हिस्सा माना गया है।

3. लाभ: GI टैग से संबंधित पंजीकृत मालिकों को निम्नलिखित अधिकार प्राप्त होते हैं:

- **कानूनी संरक्षण**: अवैध उपयोग और नकल से सुरक्षा।
- **विशेष उपयोग का अधिकार**: केवल पंजीकृत मालिक ही GI टैग का उपयोग कर सकते हैं।
- **गलत जानकारी और अनुचित प्रतिस्पर्धा को रोकना।**

4. उत्पादों के प्रकार: GI टैग का उपयोग विभिन्न प्रकार के उत्पादों के लिए किया जाता है, जैसे:

- **कृषि उत्पाद**: जैसे चावल, चाय।
- **हस्तशिल्प**: जैसे बनारसी साड़ी।
- **खाद्य पदार्थ**: जैसे मिठाइयां।
- **औद्योगिक उत्पाद**: जैसे विशेष कारीगरी वाले उत्पाद।

5. पात्रता:

- किसी व्यापार संघ, संगठन, या समूह द्वारा आवेदन किया जा सकता है।
- उत्पाद की विशिष्टता को ऐतिहासिक रिकॉर्ड और उत्पादन प्रक्रिया के विवरण के साथ प्रमाणित करना आवश्यक है।

6. कानूनी मान्यता:

- 'वस्तुओं का भौगोलिक सूचक' (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 के तहत उत्पादों को जीआई-टैग दिया जाता है।
- जीआई-टैग का पंजीकरण 10 वर्षों के लिए वैध होता है, जिसे बाद में रिन्यू किया जा सकता है।

7. महत्व: GI टैग न केवल उत्पाद की विशिष्टता को मान्यता देता है, बल्कि स्थानीय कारीगरों और किसानों को आर्थिक लाभ और उनकी पहचान को भी मजबूत करता है।

संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना आयोग / United Nations Peacekeeping Commission

भारत को वर्ष 2025-2026 के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति निर्माण आयोग (PBC) में पुन: निर्वाचित किया गया है। इस आयोग में भारत का वर्तमान कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा था।

- ✓ भारत लगातार 19 साल से इस आयोग का सदस्य है।

संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना (United Nations Peacekeeping)

परिचय:

संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना आयोग (PBC) की स्थापना 2005 में संयुक्त राष्ट्र महासभा और सुरक्षा परिषद ने की थी। तब से भारत इसका सदस्य है।

PBC एक सलाहकार निकाय है, जो युद्ध से प्रभावित देशों में शांति के प्रयास का काम करता है।

इतिहास:

संयुक्त राष्ट्र ने शांति स्थापना की शुरुआत 1948 में की, जब सैन्य पर्यवेक्षकों को पश्चिम एशिया भेजा गया। इस मिशन का उद्देश्य इजरायल और उसके अरब पड़ोसियों के बीच युद्धविराम समझौते की निगरानी करना था।

मुख्य सिद्धांत:

संयुक्त राष्ट्र की शांति स्थापना तीन प्रमुख सिद्धांतों पर आधारित है:

1. **पार्टियों की सहमति (Consent of the Parties):** मिशन तभी शुरू किया जाता है जब संबंधित पक्ष अपनी सहमति देते हैं।
2. **निष्पक्षता (Impartiality):** शांति स्थापना मिशन निष्पक्ष रहते हुए कार्य करता है और किसी भी पक्ष का समर्थन नहीं करता।
3. **सीमित बल प्रयोग (Non-use of Force):** आत्मरक्षा या जनादेश की रक्षा के अलावा बल प्रयोग की अनुमति नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों की भूमिकाएं (Roles of United Nations Peacekeepers):

1. **नागरिकों और संयुक्त राष्ट्र कर्मियों की सुरक्षा:** शांति सैनिक संघर्ष क्षेत्रों में आम नागरिकों और संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारियों को हिंसा से बचाने का कार्य करते हैं।
2. **विवादित सीमाओं की निगरानी:** संघर्ष के दौरान और युद्धविराम के बाद, शांति सैनिक सीमाओं पर निगरानी करते हैं ताकि शांति समझौतों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।
3. **शांति प्रक्रियाओं का अवलोकन**: संघर्ष के बाद के क्षेत्रों में, शांति सैनिक शांति प्रक्रिया को सफलतापूर्वक लागू करने और स्थिरता बनाए रखने में सहायता करते हैं।
4. **सुरक्षा प्रदान करना:** संघर्ष क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और महत्वपूर्ण संसाधनों को सुरक्षा प्रदान करना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है।
5. **शांति समझौतों को लागू करना:** पूर्व लड़ाकों (ex-combatants) को शांति समझौतों को लागू करने में मदद करना, जैसे कि उन्हें पुनर्वासित करना या उनके पुन: समाजीकरण में सहायता देना।

United Nations Peacebuilding

भारत का योगदान:

1. **सबसे बड़ा सैन्य योगदानकर्ता:**
   - भारत संयुक्त राष्ट्र शांति सेना (UN Peacekeeping Force) में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है।
   - वर्तमान में **8 मिशनों** में भारत के लगभग **6,000 सैनिक और पुलिस कर्मी** तैनात हैं।
   - ये मिशन निम्नलिखित देशों में चल रहे हैं:
     - **मध्य अफ्रीकी गणराज्य**
     - **साइप्रस**
     - **कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य**
     - **लेबनान**
     - **मध्य पूर्व**
     - **सोमालिया**
     - **दक्षिण सूडान**
     - **पश्चिमी सहारा**
2. **इतिहास में भूमिका:**
   - 1950 के दशक से भारत शांति स्थापना मिशनों में सक्रिय रहा है।
   - अब तक भारत ने 2,60,000 से अधिक सैनिकों को 49 से अधिक मिशनों में योगदान दिया है।
3. **महिलाओं की भागीदारी**: भारत ने संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में महिला पुलिस इकाई (Female Formed Police Unit) भेजने वाला पहला देश होने का गौरव प्राप्त किया है।
4. **शांति प्रयासों में शहीद:** भारत ने संयुक्त राष्ट्र अभियानों में सबसे अधिक बलिदान दिया है। लगभग **179 भारतीय सैनिक** शांति स्थापित करने के प्रयासों में शहीद हुए हैं।
5. **आर्थिक योगदान**: भारत आर्थिक रूप से भी शांति स्थापना अभियानों में योगदान देता है।

GDP रिपोर्ट / GDP Report

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) ने वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही (Q2) की GDP रिपोर्ट जारी की, यह रिपोर्ट देश की आर्थिक वृद्धि, रुझानों और चुनौतियों को उजागर करती है।

मुख्य बिंदु:

1. **GDP ग्रोथ में गिरावट:**
   - दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में GDP ग्रोथ दर 5.4% रही।
   - यह 7 तिमाहियों में सबसे कम और पिछले 2 वर्षों की सबसे धीमी वृद्धि है।
   - GDP ग्रोथ का अनुमान 6.5% था।
2. **पिछली तिमाही और पिछले साल की तुलना:**
   - अप्रैल-जून तिमाही में GDP ग्रोथ 6.7% रही थी।
   - दूसरी तिमाही (Q2 FY24) में यह 8.1% रही थी।
3. **GVA ग्रोथ भी कमजोर:**
   - दूसरी तिमाही में ग्रॉस वैल्यू एडेड (GVA) ग्रोथ दर 5.6% रही।
   - अनुमानित GVA ग्रोथ 6.3% थी।
   - अप्रैल-जून तिमाही में GVA ग्रोथ 6.8% और Q2 FY24 में 7.7% थी।
4. **RBI का अनुमान:**
   - GDP ग्रोथ भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के 7% के अनुमान से भी कम रही।

अहम आर्थिक आंकड़े (वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि - YoY Growth):

1. **कृषि क्षेत्र:** अनुमानित वृद्धि 1.7% थी, वास्तविक वृद्धि 3.5% रही।
2. **मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र**: अनुमानित वृद्धि 14.3% थी, जबकि वास्तविक वृद्धि 2.2% रही।
3. **इलेक्ट्रिसिटी और अन्य पब्लिक यूटिलिटीज**: अनुमानित वृद्धि 10.5% थी, वास्तविक वृद्धि 3.3% रही।
4. **निर्माण (कंस्ट्रक्शन) क्षेत्र**:अनुमानित वृद्धि 13.6% थी, जबकि वास्तविक वृद्धि 7.7% रही।
5. **वित्तीय सेवाएँ**: अनुमानित वृद्धि 6.2% थी, और वास्तविक वृद्धि 6.7% रही।
6. **सार्वजनिक प्रशासन**: अनुमानित वृद्धि 7.7% थी, वास्तविक वृद्धि 9.2% रही।
7. **व्यापार, होटल, परिवहन और संचार**: अनुमानित वृद्धि 4.5% थी, जबकि वास्तविक वृद्धि 6% रही।
8. **खनन (माइनिंग):** अनुमानित वृद्धि 11.1% थी, जबकि वास्तविक आंकड़ा -0.1% पर रहा।

सरकार और RBI के GDP अनुमान

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI):

1. Q2 GDP वृद्धि का अनुमान 6.8% लगाया था।
2. FY 2024-25 के लिए समग्र GDP वृद्धि का अनुमान 7.2% है।

वित्त मंत्रालय:

1. FY 2024-25 के लिए GDP वृद्धि दर 6.5% से 7% के बीच रहने का अनुमान है।

NSO डेटा के अनुसार:

1. FY 2024-25 के H2 (दूसरी छमाही) में तेज आर्थिक सुधार की आवश्यकता है ताकि सरकार और RBI के निर्धारित अनुमानों को पूरा किया जा सके।

सकल घरेलू उत्पाद (GDP)

परिभाषा:

सकल घरेलू उत्पाद (GDP) किसी वित्तीय वर्ष में एक देश की घरेलू सीमा के भीतर उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य को मापता है।

महत्वपूर्ण वाक्यांश:

1. **अंतिम वस्तुएं और सेवाएं:**
   - GDP में केवल अंतिम उत्पादों और सेवाओं को शामिल किया जाता है।
   - मध्यवर्ती वस्तुएं (Intermediate Goods) जैसे कच्चे माल को इसमें शामिल नहीं किया जाता ताकि दोहरी गणना (Double Counting) से बचा जा सके।
2. **घरेलू अर्थव्यवस्था के भीतर:**
   - इसमें देश की भौगोलिक सीमा के भीतर उत्पादित सभी वस्तुएं और सेवाएं शामिल होती हैं।
   - इसमें देश में काम करने वाले विदेशी नागरिकों का उत्पादन और देश के नागरिकों का घरेलू योगदान शामिल होता है।

फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन / Federal Bureau of Investigation

अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ने अपने करीबी विश्वासपात्र काश पटेल को संघीय जांच ब्यूरो (FBI) के निदेशक जैसे शक्तिशाली पद का कमान दिया.

एफबीआई एक महत्वपूर्ण एजेंसी है जो अमेरिका की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने में प्रमुख भूमिका निभाती है।

एफबीआई (Federal Bureau of Investigation) के बारे में जानकारी:

1. **पूरा नाम:** फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (Federal Bureau of Investigation)
2. **स्थापना:**
   - 1908 में "ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन" के रूप में स्थापना।
   - 1935 में इसका नाम बदलकर "फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन" रखा गया।
3. **मुख्यालय:** वॉशिंगटन, डी.सी., अमेरिका।
4. **मुख्य कार्य:**
   - **राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा**: आतंकवाद और विदेशी खतरों से अमेरिका को सुरक्षित रखना।
   - **जांच**: साइबर अपराध, संगठित अपराध, सार्वजनिक भ्रष्टाचार, और नागरिक अधिकारों के उल्लंघन की जांच।
   - **सहायता**: अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करना।
5. **एफबीआई की मुख्य शाखाएं:**
   1. **आपराधिक जांच विभाग (Criminal Investigation Division):** बैंक डकैती, जबरन वसूली, और नकली नोटों से जुड़े मामलों की जांच।
   2. **आतंकवाद-रोधी विभाग (Counterterrorism Division):** अमेरिका में आतंकवादी हमलों की जांच और उनकी रोकथाम।
   3. **साइबर विभाग (Cyber Division):** साइबर अपराध जैसे कंप्यूटर हैकिंग, पहचान की चोरी और ऑनलाइन धोखाधड़ी की जांच।
   4. **गुप्तचर विभाग (Counterintelligence Division):** अमेरिका की सुरक्षा के लिए खतरनाक गतिविधियों, जैसे जासूसी और विदेशी खुफिया ऑपरेशनों की निगरानी और जांच।
   5. **विज्ञान और प्रौद्योगिकी शाखा (Science and Technology Branch):** जांच और संचालन में तकनीकी और वैज्ञानिक सहायता प्रदान करना।
6. **उपलब्धियां:**
   - प्रमुख अपराधों की जांच और अभियोजन में सफलता।
   - राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने में योगदान।
   - फॉरेंसिक और तकनीकी विशेषज्ञता का विकास।
   - कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारियों को उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करना।
7. **सीमाएं**: केवल संघीय अपराधों की जांच कर सकता है।
   - संसाधनों और पारदर्शिता को लेकर सीमाएं।
   - गोपनीयता और नागरिक अधिकारों के हनन से संबंधित विवाद।

हरिमाऊ शक्ति-2024 / Harimau Shakti-2024

भारत और मलेशिया 2 दिसंबर से 15 दिसंबर के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास करेगा। भारतीय सेना ने बताया कि युद्धाभ्यास मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर के बेंटोंग कैंप में होगा। इस युद्धाभ्यास को हरिमाऊ शक्ति- 2024 नाम दिया गया है।

भारत-मलेशिया संयुक्त अभ्यास (हरिमाऊ शक्ति-2024):

- आयोजित तिथि: 2 दिसंबर से 15 दिसंबर, 2024।
- स्थान: बेंटोंग कैंप, कुआलालंपुर, मलेशिया।
- पिछला आयोजन: 2023 में मेघालय के उमरोई छावनी।
- प्रतिभागी: मलेशियाई सेना की 5वीं रॉयल बटालियन और भारतीय राजपूत रेजिमेंट।

अभ्यास हरिमऊ शक्ति: महत्वपूर्ण जानकारी-

आरंभ: भारत और मलेशिया के बीच हरिमऊ शक्ति अभ्यास की शुरुआत वर्ष 2012 में हुई थी।

उद्देश्य:

- **रक्षा सहयोग का विस्तार**: भारतीय और मलेशियाई सेनाओं के बीच सैन्य तालमेल बढ़ाना।
- **द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करना**: दोनों देशों के बीच आपसी समझ और सहयोग को प्रोत्साहित करना।

युद्धाभ्यास:

असली हथियारों का इस्तेमाल: हथियार, गोला-बारूद का प्रयोग असली युद्ध की तरह होता है।

डमी टारगेट का उपयोग:

- सफेद रंग के कपड़े के साथ डमी टारगेट सेट किए जाते हैं।
- इन टारगेट पर अलग-अलग दूरी से फायरिंग की जाती है।

आतंकी ऑपरेशन की तैयारी:

- डमी आतंकी ठिकाने बनाए जाते हैं।
- पूरे क्षेत्र को घेरकर सेना आतंकियों को बाहर निकलने से रोकती है।

हेलिकॉप्टर ऑपरेशन:

- जवान हेलिकॉप्टर से उतरकर घरों के अंदर सावधानी से घुसते हैं।
- सेना के कुछ जवान आतंकियों की भूमिका निभाते हैं और उन्हें जिंदा पकड़ने का अभ्यास होता है।

संयुक्त अभ्यास का प्लान:

- **संयुक्त बलों का पूर्वाभ्यास**: जंगल, अर्धशहरी और शहरी परिवेश में बलों के नियोजन का अभ्यास।
- **खुफिया जानकारी का प्रबंधन**: जानकारी एकत्र करने, मिलान और प्रसार का अभ्यास।
- **ड्रोन और हेलीकॉप्टर का उपयोग**: ड्रोन/यूएवी और हेलीकॉप्टरों के इस्तेमाल का अभ्यास।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !

RRB NTPC

TEST SERIES

- 100+ Mock Test
- 78 Sectional Test
- 40+ years PYPs
- 60+ Current affairs

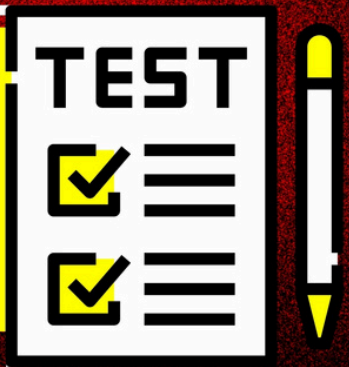

Only 99 Per Year

Buy Now

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY POLITY

1499 RS

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !